[Shri Chintamani Panigrahi (Bhubaneswar]

the following measures immediately in order to give a boost to tourism in Orissa :

1. Boeing link should be provided daily between Bhubaneswar and Delhi.

2 Foreign tourists have emphasised on the need of the being between Calcutta and Madras touching Bhubaneswar so that Bhubaneswar is connected with Madras which is an important landing point of foreign tourists and businessmen.

3. Bhubaneswar, the capital of Orissa, should be linked by middle level air service daily with areas like Sambalpur, Rourkela, Jeypore Jashipur and Korapet.

4. Bhubaneswar airport should be strengthened.

5. Flood-lighting system should be provided at the selected archeological monuments of the State.

6. Ropeway should be provided between Khandagiri and Udaygiri.

(vii) failure of trains in Allahbad, Mirzapur and Pratapgarh causing brought conditions.

श्री बी० डी० सिंह (फूलपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, आज जब देश के अनेक भाग बाढ़ की विभीषिका से त्रस्त हैं, तो देश के कई हिस्सों में सूखे से स्थिति भयावह हो रही है। वैसे तो पर्याप्त वर्षा देश के कई क्षेत्रों में नहीं हुई है, परन्तु उत्तर प्रदेश के जनपद इलाहाबाद तथा समीपवर्ती जनपदों मिर्जापुर, प्रतापगढ़, सुलतानपुर, फतेहपुर, बांदा आदि में अब तक नाममात्र की ही वर्षा हुई है, जिससे इन जनपदों में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो गई है। खरीफ की फसलें, विशेषकर धान की फसल बुरी तरह प्रभावित हो रही है। विडम्बना यह है कि कहीं-कहीं नहरों में पानी नहीं आ रहा है, जिससे धान की रोपाई नहीं हो पा रही है। दो-तिहाई सरकारी नलकूप खराब पड़े हैं। शेष में अधिकांश नालियां अस्त-व्यस्त पड़ी हैं विद्युत आपूर्ति नितान्त अपर्याप्त एवं अनियमित हैं। ऐसी स्थिति में किसान बहुत ही क्षुब्ध है।

मैं माननीय कृषि मंत्री से निवेदन करूंगा कि वे अविलम्ब उत्तर प्रदेश सरकार से इस सम्बन्ध में सम्पर्क करके इलाहाबाद तथा समीप के जिलों में सूखे की स्थिति से निपटने के लिए सिंचाई तंत्र की पूरी क्षमता को उपलब्ध करायें तथा आवश्यक राहत कार्य प्रारम्भ किये जायें।

(viii) Scarcity of cooking gas in Patna

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : उपाध्यक्ष महोदय, पटना में हजारों व्यक्ति रसोई बनाने की गैस के चूल्हों का इस्तेमाल करते हैं। इधर कुछ महीनों से गैस सिलैंडरों की कमी के कारण पटना के नागरिकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस कमी के कारण कोयला डिपुओं ने भी कोयले का मूल्य बढ़ा दिया है और जलावन लायक कोयला आसानी से मिलता भी नहीं। ऐसी स्थिति में नागरिकों के कष्टों का अनुमान आसानी के साथ लगाया जा सकता है।

पटना अब काफी बड़ा शहर हो गया है, परन्तु बांकीपुर क्षेत्र को छोड़कर, पटना सिटी में केवल एक विक्रेता है, जिससे लोगों को गैस सिलैंडर मिलने में बहुत दिक्कत होती है। अतः जरूरत है कि पटना सिटी और पटना दक्षिण में गैस सिलैंडर विक्रेताओं की संख्या बढ़ाई जाये ताकि लोगों को सिलैंडर आसानी के साथ उपलब्ध हो सकें।

पटना के गैस-सिलैंडर उपभोक्ताओं को सिलैंडरों की सप्लाई सुदूर बनगाई गांव से की